Roll No. ……

S. No. of Question Paper	:	
Unique Paper Code	:	12107507
Name of the Paper	:	PHILOSOPHY OF LAW
Name of the Course	:	B. A. (Hons.) Philosophy
Semester	:	V

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

Instruction for Candidates

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

अपना अनुक्रमांक प्रश्नपत्र मिलते ही लिखिए।

Answers may be written *either* in English *or* in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

उत्तर केवल अंग्रेजी अथवा हिंदी में लिखें परन्तु उत्तरपुस्तिका में केवल एक ही भाषा का प्रयोग करें।

Attempt four questions in all. All questions carry equal marks.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Should the extent of positive law be limited to the possibility of people's co-existence in society? Elucidate your answer with reference to the case of the Speluncean explorers.

   क्या सकारात्मक (पोसिटिव) क़ानून की सीमा वहाँ तक ही होनी चाहिए जहाँ तक क़ि मनुष्य के समाज में सह-अस्तित्व की सम्भावना हो? स्पीलन्सियन खोजियों के केस के सन्दर्भ में अपना उत्तर स्पष्ट करें।

2. Critically analyse the arguments presented by Aquinas for a Traditional Natural Law approach.

परंपरागत नैसर्गिक क़ानून के लिए एक्विनास द्वारा प्रस्तुत तर्कों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

3. On what grounds has Hart criticized Austin's idea of legal obligation. Discuss Hart's theory of Primary and Secondary Rules.

   किन आधार पर हार्ट ने ऑस्टिन के क़ानून के प्रति कर्त्तव्य की धारणा की आलोचना की है? हार्ट के प्रधान (प्राइमरी) तथा अ-प्रधान (सेकेंडरी) नियमों के सिद्धांत की विवेचना कीजिये।

4. Explain the relation between Existence of laws and Efficacy of laws in reference to the problem of identity of legal systems.

   कानूनी व्यस्थाओं की पहचान की समस्या के सन्दर्भ में क़ानून के अस्तित्व तथा क़ानून की प्रभावकारिता के सम्बन्ध की व्याख्या कीजिये।

5. According to J. L. Mackie, can we derive the concept of obligation to obey the law from basic moral principles?

   जे. एल. मैकी के अनुसार, क्या हम मौलिक नैतिक सिद्धांतों के द्वारा क़ानून पालन के प्रति कर्त्तव्य की धारणा को प्राप्त कर सकते हैं?

6. Should social conditions of capital murderers be a factor in determining whether or not capital punishment is a just retribution for their crime? Evaluate the arguments offered in this regard.

   यह तय करने में कि मृत्युदंड हत्या केअपराध के लिए उचित प्रतिकार है या नहीं, क्या हत्यारों की सामाजिक परिस्थितियाँ कारक हो सकती हैं? इस विषय पर प्रस्तुत तर्कों का मूल्यांकन कीजिये।